वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 190 | बुधवार 6 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर किसानों को मिलेंगी बड़ी सौगातें

हमारी जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के सम्पूर्ण सशक्तीकरण की ओर महत्वपूर्ण कदमः मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के किसानों को कई बड़ी सौगातें देने जा रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति और लाभ हस्तांतरण के बारे में जरूरी दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं सिर्फ योजनाएं नहीं, बल्कि आमजन के सम्पूर्ण सशक्तीकरण की ओर बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों से बराबर सम्पर्क रखते हुए विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ और जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में विकसित राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी प्रथम वर्षगांठ पर किसानों को बड़ी सौगातें देने की प्रभावी तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत 5 हजार 500 फार्मपौण्ड के लिए किसानों के खातों में सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी है। इसी प्रकार 2 हजार किलोमीटर पाइपलाइन, 5 हजार किसानों को तारबंदी के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नहरी क्षेत्र में 500 डिग्गियों, एक हजार किसानों को कृषि उपकरण सहायता और 2 हजार वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों के लिए अनुदान सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना के अंतर्गत 3 हजार किसानों को गोवंश से जैविक खाद उत्पादन के लिए सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि नमो ड्रोन दीदी योजना में 50 क्लस्टर्स विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त भी किसानों को जारी की जाएगी। शर्मा ने कहा कि कुसुम योजना के माध्यम से सोलर पम्प की स्थापना के लिए 15 हजार किसानों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ड्रिप इरिगेशन ही सिंचाई हेतु एक दीर्घकालिक समाधान है। सरकार द्वारा 15 हजार किसानों को ड्रिप इरिगेशन के लिए वित्तीय सहायता डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। इसके साथ ही 1 हजार लाभार्थियों को कृषि एवं अकृषि ऋण ब्याज अनुदान पर प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर पशुपालकों को गोपाल क्रेडिट कार्ड वितरण के साथ-साथ एक हजार नए डेयरी बूथों का आवंटन, 200 नए बल्क मिल्क कूलर्स की स्थापना और एक हजार नए दूध संकलन केन्द्रों का उद्घाटन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के अंतर्गत 3.25 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर की दर से अनुदान राशि देते हुए 183.22 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

यूरोप से आई परम्परा को निभा रहे जयपुर के होटल

रेडिसन ब्लू में केक मिक्सिंग सेरेमनी में जुटी शहर की हस्तियां, क्रिसमस सेलिब्रेशन की शुरूआत

जयपुर. कासं

केक मिक्सिंग सेरेमनी क्रिसमस के मौसम की शुरूआत का प्रतीक है। यह देशभर के होटल्स में मनाया जाने वाले एनुअल इवेंट है। इस सेरेमनी का आगाज टोंक रोड स्थित होटल रेडिसन ब्लू में मंगलवार को हुआ। इसमें जयपुर शहर के ब्लॉगर और जाने-माने लोग शामिल हुए। केक मिक्सिंग सेरेमनी क्रिसमस के आगमन और सर्दियों की शुरूआत का जश्न मनाने के लिए आयोजित की जाती है। इसे होटल या कैफे के सबसे प्रतीक्षित पारंपरिक अनुष्ठानों में से एक माना जाता है। इसमें सूखे मेवे में वाइन मिलाने की परंपरा है। सेरेमनी में जयपुराइट्स ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मिक्सिंग टेबल पर बड़े कंटेनरों में इस परम्परा को पूरा किया गया। इस मिश्रण को क्रिसमस से पहले कई दिनों तक बड़े कंटेनरों में रखा जाता है और समय-समय पर हिलाया जाता है। इसके बाद, इसे एयरटाइट बैग में डालकर परिपक्व होने के लिए छोड़ दिया जाता है। क्रिसमस के दिन इस मिश्रण को केक बैटर के साथ मिलाकर बेक किया जाता है और लोगों को दिया जाता है।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर द्वारा जेस इंटरनेशनल फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनन्दन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर के एक शिष्टमंडल ने इंजी. पी सी छाबड़ा (मानद मंत्री, जेस इंटरनेशनल फाउंडेशन) के नेतृत्व में दिनांक 5 नवम्बर, 2024 (मंगलवार) को जेस इंटरनेशनल फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजी. राजेंद्र कुमार जैन (इंदौर प्रवासी) से भट्टारक जी की नसिंया में मुलाकात की एवं उन्हे माल्यार्पण कर, साफा पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर हार्दिक अभिनन्दन किया। इंजी. राजेंद्र जैन साहब पारिवारिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए जयपुर में एक दिवसीय प्रवास पर थे। शिष्टमंडल में इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन (संयुक्त सचिव, जेस इंटरनेशनल फाउंडेशन), इंजी. दीपक कुमार जैन (अध्यक्ष), इंजी. अरूण कुमार जैन (उपाध्यक्ष-।।), इंजी. राकेश कुमार बगड़ा (उपाध्यक्ष-।।) एवं इंजी. बी पी जैन (संयुक्त सचिव) सम्मिलित थे। मुलाकात के दौरान चैप्टर की गतिविधियों एवं 17 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में चैप्टर की सहभागिता पर विस्तार से चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा चैप्टर की विगत 4 वर्षों की उपलब्धियों की सराहना की गई।

चित्रकार चंद्र प्रकाश गुप्ता ने केनवास पर जीवंत किया रतन नवल टाटा का अक्स

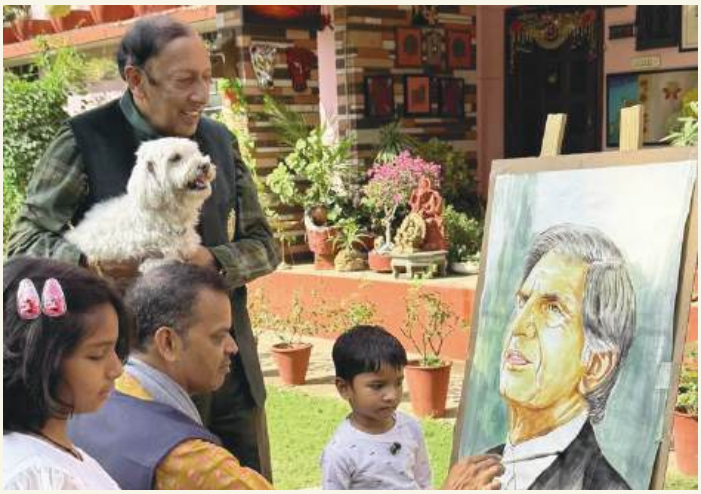

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरिष्ठ चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता ने सरदार पटेल मार्ग स्थित मालार्पण में उद्योगपति रतन नवल टाटा का तैल चित्र बनाकर अपनी तूलिका से श्रद्धासुमन अर्पित किए। चंद्र प्रकाश ने बताया की उनके मानस पटल पर टाटा की पिछले दो तीन साल की छवि अंकित थी उसी आधार पर उन्होंने ये चित्र संस्कृतिकर्मी सुधीर माथुर के आग्रह पर बनाया है। इस अवसर पर समाजसेवी सुधीर माथुर, कवि रोहित कृष्ण नंदन, माही, संदेश, माला व अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पोट्रेट कला के माहिर चित्रकार गुप्ता पिछले 25 वर्षों से निरंतर शहीद के गांव/ ढाणी पहुंचकर उनके परिजनों को तैलचित्र भेंट करते हैं इसी क्रम में राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व रतन टाटा के लिए भी यह विनम्र श्रद्धांजलि रची है।

धर्म-यात्रा बिना परिणामों की विशुद्धि के असंभव : गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान में चातुर्मासरत परमपूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य श्रीमती उषा देवी के जन्मदिन पर योगेन्द्र सौगानी निवाई ने प्राप्त किया। इस अवसर पर भक्तामर दीपार्चना कराने का सौभाग्य भी उन्हें प्राप्त हुआ। कोटा, जयपुर, चन्दलाई, निवाई, महावीरजी से पधारे हुए भक्तों ने पूज्य गुरुमां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ ट्रस्ट के परम संरक्षक कंवरपाल जैन जयपुर ने आर्यिका संघ के चरणों में सादर प्रणाम किया। पूज्य माताजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि वास्तविकता में धर्म वो मार्गदर्शक हैं, जो हमें हमारे अंदर जाने के रास्ते का पता बताता है। जो स्वयं को करना है, स्वयं तक जाने के लिए है, वह स्वयं की यात्रा सत्यार्थ धर्मयात्रा है। यह धर्म यात्रा बिना परिणामों की विशुद्धि के असंभव है। सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। भक्तगण यहां आकर अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के चरणों में अपनी मनोकामना पूर्ण करके ही जाते हैं।

काठमांडू जैन मंदिर में महावीर स्वामी के निर्वाण महोत्सव पर 108 दीपकों से की गई महाआरती

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया

जैन मंदिर काठमांडू में जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के 2551 वे निर्वाण दिवस पर श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कमेटी के तत्वाधान में 01 नवंबर 2024 को प्रातः 9:15 पर बड़े ही उमंग उत्साह के साथ भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इस अनुपम निर्वाण महोत्सव के बारे में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर काठमांडू के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम प्रातः काल में 7:30 बजे श्रीजी के कलशाभिषेक, शांति धारा, सामूहिक भक्तिमय पूजन तत्पश्चात सामूहिक निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। प्रथम अभिषेक, शांतिधारा, निर्वाण लाडू एवं शाम को महाआरती करने का सौभाग्य श्री महावीर प्रसाद जी शांति देवी काला परिवार रांची वाले को प्राप्त हुआ। सायःकाल में 108 दीपकों से सामूहिक महाआरती करके दीप चढ़ाकर दीपोत्सव मनाया गया। पूरे मन्दिर प्रांगण को विशेष रोशनी से प्रकाशमय किया गया। अध्यक्ष सेठी के अनुसार इस विषेश दिन पर भगवान महावीर स्वामी के जय कारों से पूरा मंदिर प्रांगण गुंजायमान रहा। सामूहिक पूजन में महावीर प्रसाद जी काला रांची द्वारा दोहों के साथ भजनों की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस महा महोत्सव के अवसर पर संपूर्ण जैन समाज के साथ में मंदिर कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य गण आदि सभी उपस्थित रहे। सभी कार्यक्रम पूरे भक्ति भाव से उमंग व उत्साह के साथ संपन्न किए गए।

वेद ज्ञान

वास्तविक संत वही जिसने सत्य को खोज लिया

जो मुक्त हो गया, जिसने सत्य को खोज लिया, वही संत है। इसीलिए संत को परमात्म स्वरूप माना गया है। संत हमारी भाषा और हमारी मजबूरियां अच्छी तरह समझता है। इसलिए जब तक वह संसार में (शरीर में) ठहरा हुआ है, तब तक हम उसका उपयोग सद्गुरु के रूप में करके अपना जीवन कृतार्थ कर सकते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि संत दुखी कैसे होता है? जो मुक्त हो गया, वह समस्त सुखों-दुखों को पार करके आनंद (परमानंद) को उपलब्ध हो चुका होता है। इसलिए पुनः सुख में उलझने का प्रश्न ही नहीं उठता। कारण यह कि सुख-दुख सांसारिक हैं और एक दूसरे के विलोम हैं, जबकि आनंद एक तीसरी स्थिति है, जो सुख-दुख के अतिक्रमण से प्राप्त होती है। वहां से वापसी असंभव है। फिर संत दुखी क्यों होता है? क्या वास्तव में उसके दुखी होने की बात सच है? जी हां यह सच है। संत दुखी होता है और वह तब तक दुखी रह सकता है, जब तक उसे सत्य उपलब्ध नहीं होता। इसका कारण यह है कि जब वह सत्य को उपलब्ध हो जाता, तब वह पाता है कि जिसे वह और पूरा संसार बाहर तलाश रहा है, वह तो उसके भीतर ही निहित है और प्रत्येक व्यक्ति उसे पा सकता है। वह (परमात्मा) उसका अधिकार है। तब वह अपार करुणा से भरकर कबीर, नानक, महात्मा बुद्ध और महावीर आदि की तरह प्रबल रूप से आह्लादित होने लगता है, जिससे पूरे जगत को इस विराट सत्य का पता चल सके। याद रखें, परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि शक्ति है। इस अदृश्य शक्ति ने ही ब्रह्मांड का सृजन किया है। विभिन्न प्राणियों, जंतुओं और वनस्पतियों में इसी शक्ति का अंश निहित है। परमात्मा की हम अनुभूति कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए हमें विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों जैसे क्रोध, लालच, ईर्ष्या, अहंकार और असत्य आदि को त्यागना होगा, तभी हम अंतर्मन में उसकी अनुभूति कर सकेंगे। वस्तुतः परमात्मा गूंगे का गुड़ है। हम चाहते हैं कि सुबूत के तौर पर कोई परमात्मा को किसी वस्तु की तरह हमारी हथेली पर रख दे, जो असंभव है। परमात्मा हमारे भीतर निहित है।

संपादकीय

कनाडा की घातक राजनीति

अब खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा के एक हिंदू मंदिर में उपद्रव कर अपनी शक्ति प्रदर्शित करने की कोशिश की है। रविवार को ब्रैंप्टन शहर के एक हिंदू मंदिर पर हमला कर वहां उपस्थित भक्तों के साथ मारपीट की गई। स्वाभाविक ही इस घटना के बाद वहां रह रहे हिंदू समुदाय के लोगों में रोष है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त पुलिस वहां मौजूद थी, मगर उसने उपद्रवियों को रोकने की कोशिश नहीं की। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने घटना की

निंदा की और इस बात पर बल दिया है कि कनाडा में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार पूजा-पाठ करने का हक है। मगर इस घटना के बाद वहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों के बीच ही जिस तरह के परस्पर संघर्ष का वातावरण बन गया है, उसके लिए जिम्मेदार किसे माना जाना चाहिए। आखिर खालिस्तान समर्थकों का हौसला इस कदर कैसे बढ़ गया कि उन्होंने दूसरों की आस्था पर भी चोट पहुंचानी शुरू कर दी है। छिपी बात नहीं है कि कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण देती रही है। जबसे वहां चुनाव का माहौल बना है और ट्रूडो को लगने लगा है कि उन्हें शिकस्त मिल सकती है, तो उनकी घबराहट बढ़ गई है। सिख समुदाय के लोगों का समर्थन हासिल करने के मकसद से वे खुल कर उनका साथ देते देखे जा रहे हैं। हालांकि खालिस्तान समर्थकों का कनाडा में उपद्रव और प्रदर्शन कोई नई घटना नहीं है। वे लंबे समय से भारत-विरोधी गतिविधियां चलाते रहे हैं। कभी स्वर्ण मंदिर में हुए हमले की बरसी पर आपत्तिजनक प्रदर्शनी का आयोजन करके, कभी भारत-विरोधी प्रदर्शन करके, कभी भारतीय उच्चायोग के बाहर उपद्रव करके। उन सभी घटनाओं पर भारत सरकार ने आपत्ति जताई और गुहार लगाई कि कनाडा सरकार ऐसे उपद्रवी और अलगाववादी तत्त्वों पर नकेल कसे। मगर कनाडा सरकार ने उन अपीलों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। खालिस्तान समर्थकों का हौसला तब और बढ़ गया, जब खुद ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजंसियों का हाथ बताया। इसे लेकर तनातनी लगातार बढ़ती गई है। ट्रूडो आरोप पर आरोप लगाते जा रहे हैं। उन्होंने कनाडा में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों को भी शक के घेरे में खड़ा कर दिया। दोनों देशों ने अपने उच्चायुक्त सहित सभी अधिकारियों को वापस बुला लिया। उसके बाद उन्होंने भारत के गृहमंत्री पर भी आरोप मढ़ दिया। समझना मुश्किल नहीं है कि जब देश का शीर्ष नेतृत्व भारत से अपने संबंधों की परवाह किए बिना खुल्लमखुल्ला ऐसे आरोप लगा रहा है, तो खालिस्तान समर्थकों का मनोबल बढ़ेगा ही। ट्रूडो बेशक कह रहे हों कि कनाडा में रहने वाले हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार जीवन जीने का हक है, मगर उनके एक समुदाय के प्रति अतिशय लगाव प्रदर्शित करने से सामाजिक विद्वेष का वातावरण तो पैदा हो ही गया है। शायद ट्रूडो को अंदाजा भी नहीं कि इस वातावरण के खतरनाक नतीजे भी हो सकते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

एआई और हकीकत...

आपको कपड़े धोने के लिए वाशिंग मशीन खरीदनी है, बाजार में आपको ऐसी-ऐसी वाशिंग मशीन मिल जाएंगी, जिनके बारे में दावा है कि उनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। एआई का इस्तेमाल करने वाले रेफ्रिजरेटर और कैमरे तो पहले ही बाजार में आ गए थे और जिस स्मार्टफोन में एआई न हो, उसे तो आजकल खटारा ही मान लिया जाता है। सुई से लेकर जहाज तक, एआई को आजकल हर चीज से जोड़ा जा रहा है। आप कह सकते हैं कि कैमरे और स्मार्टफोन में तो फिर भी एआई का मतलब है, लेकिन कपड़े धोने के कामका कृत्रिम मशीनी बुद्धि से क्या लेना-देना? 21वीं सदी के तीसरे दशक में पूरी दुनिया का बाजार एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां एआई को ही कामयाबी और आधुनिक तकनीक का मूलमंत्र मान लिया गया है। हरेक चीज, हर तकनीक, हर प्रक्रिया और हर व्यवस्था में एआई को प्रवेश कराने के रास्ते तलाशे जाने लगे हैं। यह मान लिया गया है कि अगर किसी चीज में एआई नहीं है, तो वह गुजरे जमाने की चीज हो चुकी है। कारोबार की दुनिया के कुछ लोग तो यह तक कहने लगे हैं कि जिसके पास एआई नहीं है, उसके भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता। नतीजा यह है कि इस समय दुनिया में सबसे ज्यादा निवेश एआई में ही हो रहा है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा प्लेटफॉर्म जैसी दुनिया की धुरंधर कंपनियां तो एआई में खरबों डॉलर का निवेश कर ही रही हैं, बेंगलुरु, गुड़गांव और नोएडा में आपको हजारों ऐसे स्टार्टअप मिल जाएंगे, जो एआई की बहती धारा से ही उम्मीद बांधे हुए हैं। कहा जा रहा है कि एआई तकनीक दुनिया के पूरे रोजगार परिदृश्य को बदल डालेगी। इसे लेकर उम्मीदें अगर आसमान पर हैं, तो आशंकाएं भी उनसे कुछ कम नहीं हैं। इसका एक अर्थ यह भी है कि यथार्थ के धरातल पर कोई नहीं है। ये हालात बहुत से विश्लेषकों को चिंता की लकीरें दे रहे हैं। चीन की गूगल कहलाने वाली इंटरनेट कंपनी बाइडू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉबिन ली ने कहा है कि यह सब बहुत दिनों तक चलने वाला नहीं है। अभी एआई के नाम पर जो हो रहा है, वह एक बुलबुला है, जिसका आकार लगातार बढ़ता जा रहा है। यह बुलबुला फूटने के लिए अभिशप्त है। जब यह फूटेगा, तो इसके 99 फीसदी खिलाड़ी हवा हो जाएंगे, बस एक फीसदी बचेंगे। रॉबिन ली ने इसमें एक और बात जोड़ दी कि एआई के बुलबुले का वही हश्र होगा, जो एक समय में डॉट कॉम के बुलबुले का हुआ था। ठीक यहीं पर पिछली सदी के अंतिम दशक में हुई उस घटना को याद कर लेना जरूरी है, जिसे ''डॉट-कॉम बबल'' कहा जाता है। उम्मीदें तब भी इसी तरह आसमान पर थीं। दुनिया की हर समस्या को वेबसाइट और पोर्टल के जरिये सुलझा लेने की बातें होने लगी थीं। इंटरनेट क्रांति में भविष्य के जो आश्वासन थे, उन्हें भुनाने की होड़ लग गई थी। तब भी इसमें भारी निवेश हुआ था। तकनीक के उन आश्वासनों और उनसे बनाई गई उम्मीदों में कुछ भी गलत नहीं था। समस्या बहुत हद तक उस हड़बड़ी में थी, जो एक ही साथ मुर्गी के सारे सुनहरे अंडे हासिल कर लेना चाहती थी। यह सब बहुत दिन नहीं चलना था और फिर बीसवीं सदी के अंतिम वर्ष में एक दिन यह बुलबुला फूट गया।

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव

दिनांक 13 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024

स्थान : सामुदायिक केन्द्र से. 9 गोखले मार्ग, मानसरोवर

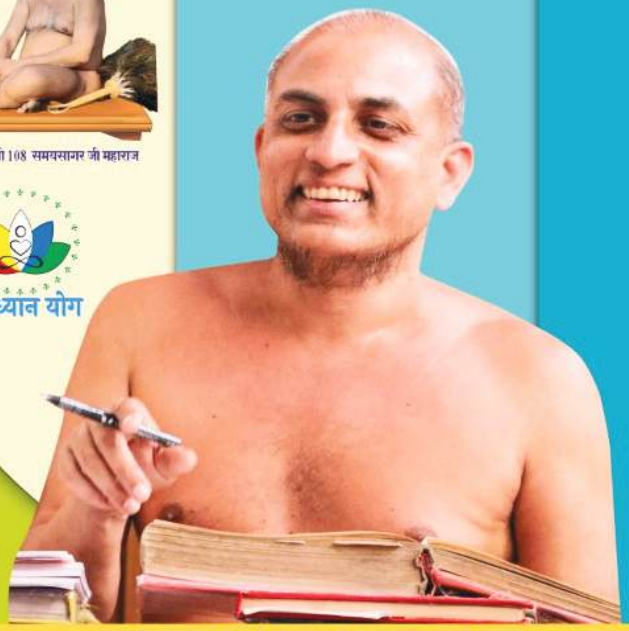

दिनांक 17 नवम्बर 2024
उपनयन संस्कार
प्रातः 8.00 बजे
भव्य पिच्छी परिवर्तन
दोपहर 1.00 बजे से

मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान

प.पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

प.पू. आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज

पावन सानिध्य :

अर्हं ध्यान योग

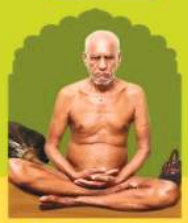

अभीक्षण ज्ञानोपयोगी , अर्हं ध्यान योगप्रणेता,
मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज

परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्ववाक्षसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 अनुनयसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 सविनयसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 समन्वयसागर जी महाराज

बुधवार, 13 नवम्बर 2024 — गर्भ कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, घट पूजन, घटयात्रा, जुलूस
प्रातः 7.15 बजे - ध्वजारोहण, मण्डप उद्घाटन, मण्डप शुद्धि, अभिषेक, पूजन, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, यागमण्डल विधान
प्रातः 9.00 बजे - पूज्य मुनिश्री की मंगल देशना
दोपहर 12.00 बजे - गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियायें
सायं 3.00 बजे - माता की गोद भराई
सायं 4.00 बजे - मुनिश्री का प्रवचन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, सौधर्म इन्द्र एवं महाराजा नाभिराय का दरबार सांस्कृतिक कार्यक्रम

गुरुवार, 14 नवम्बर 2024 — जन्म कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 7.30 बजे - भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि द्वारा, सहस्र नेत्र बनाकर प्रभु दर्शन, सौधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन, जन्म कल्याणक जुलूस, पाण्डुक शिला पर जन्माभिषेक, तीर्थंकर बालक का शृंगार, नामकरण
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सौधर्म इन्द्र द्वारा ताण्डव नृत्य, पालना झूलना और बाल क्रीड़ा

शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024 — तप कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन
दोपहर 1.00 बजे - पाणिग्रहण संस्कार, राज्य तिलक, भेंट समर्पण, असि आदि षट्कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य दीक्षाभिषेक, वनगमन, दीक्षा संस्कार विधि (मुनिश्री द्वारा)
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम

शनिवार, 16 नवम्बर 2024 — ज्ञान कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन मुनिश्री का
प्रातः 9.00 बजे - महामुनि की प्रथम आहार चर्या
दोपहर 1.00 बजे -ज्ञान कल्याणक की क्रियायें, प्राण-प्रतिष्ठा सूरिमंत्र के साथ समवशरण की रचना, गणधर रूप विराजमान मुनिश्री की देशना एवं पूजन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम

रविवार, 17 नवम्बर 2024 — मोक्ष कल्याणक

प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 7.15 बजे - कैलाश पर्वत पर अंतिम दर्शन, मोक्षगमन एवं निर्वाण कल्याणक की पूजन, विश्व शांति महायज्ञ
प्रातः 8.00 बजे - उपनयन संस्कार
प्रातः 9.00 बजे - प्रवचन, जुलूस और श्रीजी विराजमान
दोपहर 1.00 बजे - सम्मान एवं आभार व्यक्त भव्य पिच्छी परिवर्तन
सायं 4.30 बजे - सामूहिक वात्सल्य भोज

3100/-रु. में एकल इन्द्र/इन्द्राणी

5100/-रु. इन्द्र-इन्द्राणी

नोट :- उक्त राशि में वस्त्राभूषण, भोजन एवं सामग्री की न्योछावर सम्मलित है।

प्रमुख पात्र बनने के लिए समिति के सदस्यों से सम्पर्क करें।

प्रतिष्ठाचार्य

पं. धीरज जी शास्त्री

आप सभी इस मांगलिक कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्यार्जन करें।

आयोजक

अर्हं चातुर्मास समिति जयपुर-2024

परम शिरोमणी संरक्षक
श्री कंवरीलाल जी अशोक कुमार जी
सुरेश कुमार जी
विमल कुमार जी पाटनी
(आर.के.ग्रुप मदनगंज-किशनगढ़)

संरक्षक
* श्री नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाडिया
* श्री शीतल जी अनमोल जी कटारिया

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

अध्यक्ष सुशील पहाड़िया 9928557000
वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाड़ा 9829561399
उपाध्यक्ष तेजकरण चौधरी 9828081698
संयुक्त मंत्री सीए मनोज कुमार जैन 9314503618
कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र कुमार जैन 9828152143
संगठन मंत्री अशोक कुमार सेठी 9828810828
सांस्कृतिक मंत्री जम्बू कुमार सोगाणी 7665014497
मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी 9314916778

कार्यकारिणी सदस्य : अरुण कुमार जैन (पाटोदी), शान्ति विजय गंगवाल, अशोक कुमार जैन (छाबड़ा), विजय जैन (झांझरी), राजेश काला (एडवोकेट), अशोक कुमार जैन (सोधा), जिनेन्द्र कुमार काला, भागचन्द जैन (पूर्व अध्यक्ष)

सहयोगी संस्थाएँ
श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
* अध्यक्ष - सुशीला रांवका, मंत्री - रश्मि सांगानेरिया, कोषाध्यक्ष - रेणु पाटनी
* आदिनाथ युवा मंडल, मीरा मार्ग जयपुर * विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, जयपुर

देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर लगावें।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791

साइबर क्राइम से बढ़ते हुए अपराध को लेकर बच्चों में जागरूकता के लिए सेमिनार आयोजित

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। एमडी पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतसर में आज पुलिस थाना रावतसर की ओर से साइबर क्राइम से बढ़ते हुए अपराध को लेकर बच्चों में जागरूकता पैदा करने के लिए कांस्टेबल रवि पारीक व कांस्टेबल कालूराम सहारण ने सोशल मीडिया के माध्यम से बढ़ते हुए अपराध को कैसे रोका जा सकता है उसके बचाव के लिए मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी। एंटीवायरस और फायरवॉल जैसे सुरक्षा सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल करें। अविश्वसनीय वेबसाइटों पर न जाएं और अज्ञात फाइलें डाउनलोड न करें। ईमेल के अनुलग्नकों पर सावधानी बरतें। मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें।

संवेदनशील जानकारी ऑनलाइन या सोशल मीडिया पर न शेयर करें। बच्चों को इंटरनेट के खतरों के बारे में बताया और उनकी गतिविधियों पर नजर रखें। साइबर अपराध का शिकार होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस जागरूकता अभियान में संस्था प्रधान कैलाश सींवर ने बच्चों को मोबाइल से व सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखना के लिए विशेष आग्रह किया।

विमर्श जागृति मंच ने शिखर जी तीर्थ यात्रियों का स्वागत किया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। विनोद जैन भारिल्ल विजयपुरा द्वारा 151 तीर्थ यात्रियों को ले जाकर श्री सम्मेद शिखर जी में सिद्धचक्र महामण्डल विधान कराया जा रहा है। विमर्श जागृति मंच परिवार द्वारा रेलवे स्टेशन पर जाकर संघपति विनोद भारिल्ल को शाल श्री फल भेंट कर सम्मानित किया गया एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची, महेंद्र कडेसरा,प्रमोद छाया, नरेश जैन , सुनील धन्नू आदि को माल्यार्पण कर सम्मान पट्टिका पहनाई गई। इस अवसर पर विमर्श जागृति के शाखा अध्यक्ष अनूप बाबू,कार्याध्यक्ष विशाल बाँझल उपाध्यक्ष रिंकू भारत,मंत्री संजय सिंघई,पूर्व अध्यक्ष अतुल बंसल,अनिल भारत,संगठन मंत्री जितेंद्र जैन, कोमलसिंह,चन्द्रेश बतेसा,शालू भारत, महिला शाखा अध्यक्ष वैशाली बाँझल,पूजा देरखा,प्रीति मोहरी,स्मृति भारत सहित भारी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक जैन धर्म का श्री आदिनाथ जिन बिम्ब पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव होगा आयोजित

करोड़ों की लागत से बन रहा है जैन मन्दिर मोक्षायतन

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में पिड़ावा धर्म मय नगरी में भव्य मंदिर अपनी पूर्णता की और अग्रसर है। सकल दिगंबर जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि मोक्षायतन कोटड़ी रोड़ पर करोड़ों की लागत से बन रहा नवीन जिन मन्दिर भव्यता लिए हुवे है। जिसमें कई आकर्षण के केन्द्र होंगे। यह जिनालय अपने आप में अनेक विशेषताएं लिए हुए निर्मित हो रहा है। जिसमें मूलनायक भगवान शांतिनाथ -कुंथुनाथ - अरनाथ की तीन पदमासन प्रतिमाये गंधकुटि में विराजित सीमंधर भगवान, धन्य मुनि दशा की वैराग्य प्रेरक चित्र विथी, सम्मेद शिखर जी की प्रतिकृति 24 तीर्थंकरों की पवित्र चरण टोकें, पार्श्वनाथ -चन्द्रप्रभु की मनोहारी प्रतिमाएं ,विशाल स्वाध्याय मंडप, जिनश्रुत शोध केंद्र, रत्नत्रय गुंफित तीन शिखर, विद्वत निवास, अतिथि भोजन शाला, विद्यालय संकुल, प्रस्तावित भव्य मानस्तंभ, सिंहद्वार आदि का निर्माण पूर्णता की ओर अग्रसर है। जिसका भव्य पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मौक्षायतन कोटड़ी रोड़ में 12 नवम्बर से17 नवम्बर को होगा।

पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में ये होंगे मुख्य पात्र

12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक आयोजित होने वाले पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में माता पिता, सौधर्म इन्द्र, कुबेर इन्द्र, महायज्ञ नायक, प्रथम पालना झूला कर्ता, आहर दान कर्ता, श्रेयांस राजा, भरत, बाहुबली, ईशान इन्द्र, सनत इन्द्र, माहेन्द्र इन्द्र, महामंडलेश्वर, ध्वजा रोहण कर्ता शुक्र इंद्र, लांतव इंद्र, ब्रह्माइन्द्र, आनत इंद्र, प्राणत इंद्र, अच्युत इंद्र, ब्रह्मोत्तर इंद्र, महा शुक्र इंद्र, मुख्य कलश स्थापना कर्ता, मंडप उदधाटन कर्ता, नीलांजना, आदि कुमार, लोकन्तिक देव, अष्ट कुमारियां, अरण इंद्र, महा शुक्र इंद्र, सहस्त्रार इन्द्र, प्रतीन्द्र, सामान्य इन्द्र, महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, समवशरण उदघाटन कर्ता, मुकुट बद्धराजा, लोकतान्तिक देव, प्रमुख बाल सखा, बालक्रीड़ा बालक, अग्नि कुमार देव, 56 कुमारियां आदि पात्र होगें।

ये होंगें भगवान के पांच कल्याणक

जैन ग्रंथों के अनुसार वे पांच मुख्य घटनाएं हैं जो सभी तीर्थंकरों के जीवन में घटित होती है। पहला कल्याणक है गर्भ कल्याण जब तीर्थंकर प्रभु की आत्मा माता के गर्भ में आती है। भगवान के गर्भ में आने से छह माह पूर्व से लेकर जन्म पर्यन्त 15 मास तक उनके जन्म स्थान में कुबेर द्वारा प्रतिदिन तीन बार साढ़े तीन करोड़ रत्नों की वर्षा होती है।यह भगवान के पूर्व अर्जित कर्मों का शुभ परिणाम है। दुसरा कल्याणक है जन्म कल्याणक जब तीर्थंकर बालक का जन्म होता है। भगवान होने वाली आत्मा का जब सांसारिक जन्म होता है तो देवभवनो व स्वर्गों आदि में स्वयं घंटे बजने लगते हैं और इंद्रो के आसान कम्पयमान हो जाते हैं। यह सूचना होती है इस घटना की की भगवान का सांसारिक अवतरण हो गया है। सभी इंद्र व देव भगवान का जन्मोउत्सव मनाने पृथ्वी पर आते हैं। तीसरा कल्याणक है दीक्षा कल्याणक जब तीर्थंकर सब कुछ त्यागकर वन में जाकर मुनि दीक्षा ग्रहण करते हैं। चौथा कल्याणक है केवल ज्ञान कल्याण जब तीर्थंकर को कैवल्य की प्राप्ति होती है। पांचवां कल्याणक है मौक्ष कल्याणक जब भगवान शरीर का त्याग कर अर्थात सभी कर्म नष्ट करके निर्माण/ मोक्ष को प्राप्त करते हैं। जैन धर्म में मोक्ष का अर्थ है पूद्गल कर्मों से मुक्ति। जैन दर्शन के अनुसार मोक्ष प्राप्त करने के बाद जीव (आत्मा) जन्म मरण के चक्र से निकल जाता है और लोक के अग्रभाग सिद्ध शिला में विराजमान हो जाती है।

महावीर भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के नेमीसागर कालोनी स्थित श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शुक्रवार को भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक महोत्सव को धूमधाम से मनाया गया। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान श्री महावीर ने कार्तिक कृष्णा अमावस्या के दिन पावापुरी से मोक्ष पद को प्राप्त किया था। इस दौरान श्रावक-श्राविकाओं की ओर से भगवान को निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इससे पूर्व श्रीजी का सामूहिक अभिषेक तथा अडतालीस ऋद्धि मंत्रो के साथ शांति धारा पूजन संपन्न की गई। उसके बाद बड़े ही भक्ति भाव से निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

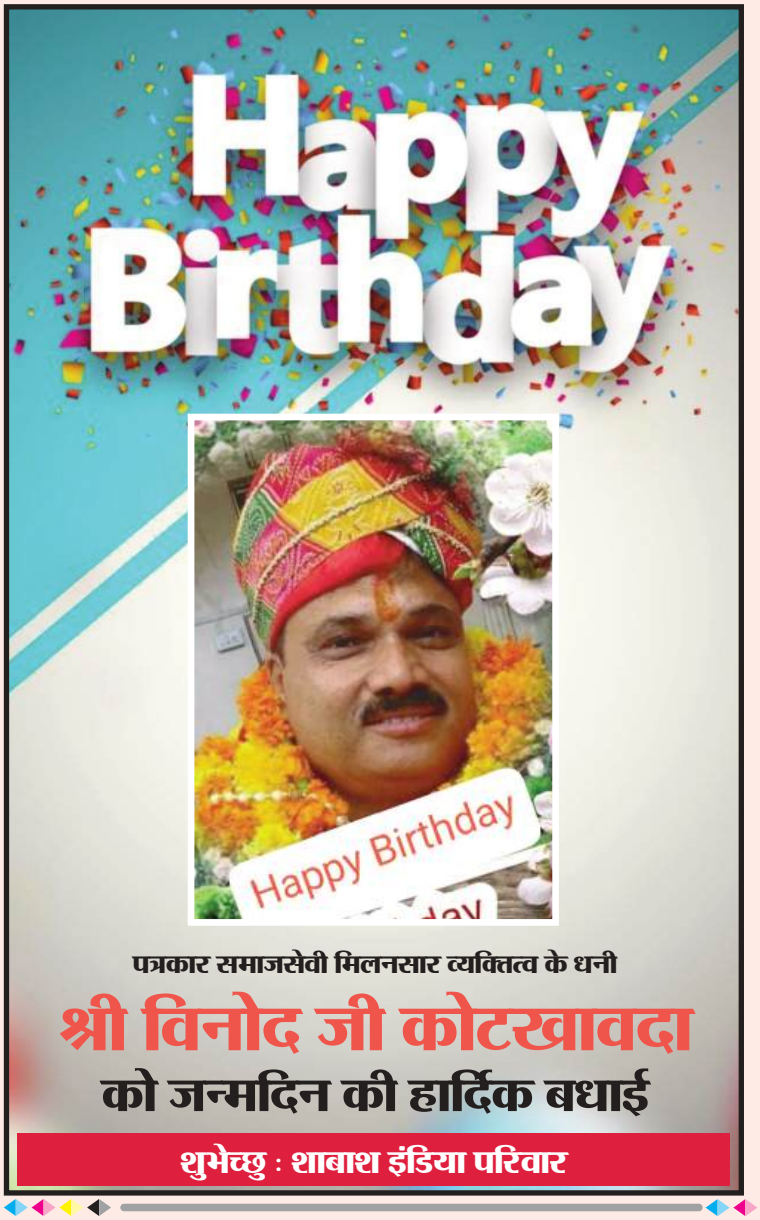

सकल दिगम्बर जैन समाज की आवश्यक वृहद मीटिंग आयोजित

जैन समाज निवाई पर अतिक्रमण का मिथ्या आरोप लगाने से समाज में रोष व्याप्त

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई । सकल दिगम्बर जैन समाज की एक आवश्यक मीटिंग संत निवास नसिंया जैन मंदिर पर आयोजित हुई जिसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। मीटिंग मे सोशल मीडिया के माध्यम से जैन समाज निवाई पर अतिक्रमण पर मिथ्या निराधार एवं भ्रामक प्रचार का आरोप लगाने से जैन समाज में रोष व्याप्त है । मीटिंग में समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि सकल दिगम्बर जैन समाज अहिंसक होने के साथ साथ सभी धर्मों को साथ लेकर चलने वाला समाज है और निवाई ही नहीं सम्पूर्ण भारत वर्ष में अतिक्रमण जैसा धृणित कार्य करने का एक भी उदाहरण नहीं है और जैन समाज निवाई तो चाहे मानव सेवा कार्य हो, चाहे धार्मिक सेवा हो,चाहे सामाजिक कार्य हो उन सभी में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जैन समाज ही है। किन्तु कुछ लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु भ्रामक प्रचार प्रसार कर समाज को भ्रमित कर रहे हैं जिससे निवाई नगर में व्याप्त अमन चैन एवं शांति के माहौल को बिगाड़ने का कुप्रयास कर रहे हैं जिन्हें समाज ने उपखण्ड प्रशासन को अवगत भी कराया जिस पर प्रशासन ने भी सहयोग का पूर्ण आश्वस्त किया है इस दौरान जैन समाज ने निर्णय लिया है कि 6 नवम्बर को पूर्ण रूप से जैन समाज के प्रतिष्ठान बंद रहेंगे एवं अहिंसात्मक तरीके से इसका घोर विरोध करेंगे। इस दौरान समाज के सभी लोगों एवं युवाओं ने संगठित होकर समाज का सहयोग करने का संकल्प लिया।

मंगल वीरता, शौर्य और साहस का प्रतीक हैः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में आठ बार की प्रवचन माला गतिमान

चैन्नई. शाबाश इंडिया

साहस तभी सार्थक होता है जब वह विवेकपूर्ण हो। मंगलवार को एएमकेएम के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने आठ वार पर प्रवचन देते हुए कहा कि सप्ताह का अर्थ है सात दिन। वार का संदर्भ प्रहर से है। प्रत्येक वार का अपना महत्व है और उसके साथ जुड़े हुए नाम का भी महत्व है। अनुभव से ऐसी धारणाएं आती है। वह महापुरुषों के अनुभव से आती है। मंगलवार की चर्चा करें तो इसमें मंगल है। कॉस्मो के अनुसार मंगल ग्रह माना जाता है। पृथ्वी की परिधि में इसका अस्तित्व माना जाता है। मंगल ग्रह की सबसे बड़ी खासियत है कि यह वीरता, शौर्य और साहस का द्योतक है। वह जुझारू होता है। मंगलमयी प्रेरणा देने वाला है। हिम्मत देने वाला है। मंगल की अशुभ स्थिति से व्यक्ति का गुस्सा, अहंकार बढ़ जाता है। उन्होंने कहा सिद्ध भगवंतों का रंग लाल है और लाल रंग मंगल से जुड़ा है। उसका संदेश है कि आज हमारे भीतर साहस है। लेकिन सबका अलग-अलग साहस होता है। हमारा साहस डिस्ट्रक्टिव या कंस्ट्रक्टिव दोनों प्रकार का हो सकता है। कंस्ट्रक्टिव के सुपरिणाम हम जानते हैं। जिसने भी हिम्मत की, उसे सफलता मिलती है। डिस्ट्रक्टिव के कारण वह पूरा वातावरण आतंकित बनाए रखता है। उन्होंने कहा जो रचनात्मक शक्ति होती है, उसमें प्रकृति भी सहयोग करती है। जिसके अंदर साहस कमजोर होता है, उसका मंगल कमजोर होता है। अगर हिम्मत होगी तो सृष्टि की हर शक्ति आपके साथ रहेगी। हमारी हिम्मत होनी चाहिए। फ्रस्ट्रेशन, अवसाद जिसको आता है, उन्होंने गलत साहस किया है। साहस के साथ समझ और विवेक बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा साहस, शक्ति का उपयोग कमजोर है तो वह जीवन को अधिक दुःखी बना देता है, अधिक कर्मबंध करा देता है। आज का समय बच्चों को भी समझाने का है, डांटने, पीटने का नहीं। साहस ही सफलता का सबसे बड़ा सूत्र है। यदि अच्छा करते हुए सफल नहीं है तो समझना आपका साहस कम है। उन्होंने कहा यह मंगल का जीवन में जो स्थान है, वह आपको और आगे बढ़ाएगा। वह प्रसिद्धि तक ले जाएगा। मंगल को संस्कृत में अंगारक कहा गया है। अंगारक सुनकर लोग पहले ही डर जाते हैं। उन्होंने कहा चुनौतियां ही व्यक्ति को मजबूत बनाती है। यह मंगल मन को उच्च बनाने वाला है। सकारात्मक शक्ति का संचार करने वाला है। बढ़ो, आगे बढ़ो। किसी नकारात्मक चीज से रुक जाएंगे तो आगे बढ़ नहीं पाएंगे। आयंबिल तप भी मंगलवार के लिए सहायक होता है। यह हमारे समग्र जीवन में क्रांति ला सकता है। साहस के साथ धर्ममय जीवन में आगे बढ़ें। यह मंगलवार हमारे लिए लाभदायी सिद्ध होगा। साध्वी अणिमाश्री जी ने इसदौरान धर्मसभा मे फरमाया कि बिना ज्ञान के जीवन शून्य. ज्ञान जीवन का मूल आधार है। ज्ञान के बिना व्यक्ति का जीवन अधूरा और अर्थहीन हो सकता है, क्योंकि ज्ञान ही हमें सही-गलत का बोध कराता है और जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि बुधवार को ज्ञान पंचमी की आराधना होगी। कमलचंद छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया। मैं कोशिश, प्रयास और प्रयत्न को ही, कार्य की सफलता मानता हूं.. हारकर बैठ जाना मेरी फितरत में नहीं है..! जीवन में अनेक बार अच्छी बुरी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कभी अच्छा वक्त तो कभी बुरे वक्त के दौर से गुजरना पड़ता है। ये सिर्फ हमारी और आपकी बात नहीं है। जितने भी महापुरुष हुये हैं, ऐसा एक भी महापुरुष नहीं हुआ जिसने बुरे वक्त का सामना नहीं किया हो। जीवन में सुख है तो दुःख भी है, जीत है तो हार भी है, अपने है तो पराये भी है, रात है तो दिन भी है, अमृत है तो जहर भी है, पूर्णिमा की चांदनी है तो अमावस की कालिमा भी है, फूल है तो कांटे भी है, इनसे कोई आज तक बच नहीं पाया। अपने तो वे होते हैं जो दुःख में दुःखी हो जाते हैं और सुख में सुखी। लेकिन आज हाल इससे विपरीत है जैसे - अपना बेटा रोये तो दिल में दर्द होता है और पड़ोसी का बेटा रोये तो सिर में दर्द होता है, अपनी बीबी रोये तो सिर में दर्द होता है और पड़ोसी की बीबी रोये तो दिल में दर्द होता है। सौ बात की एक बात जीवन का वास्तविक सुख दूसरों को सुख देने में है, उनका सुख चैन छीनने झपटने में नहीं है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भक्तामर पाठ के साथ रिद्धि मंत्रोच्चार कर की महाआरती

भगवान महावीर की कल्याण कारी वाणी से सभी हुए हैं लाभान्वित : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी ने सभी के कल्याण की बात कही उनके उपदेशों से संसार का प्रत्येक जीव अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है यद्यपि ये पथ कठिन है किन्तु असंभव नहीं उन्होंने जिस तरह की संकल्प शक्ति को प्रदर्शित किया है उससे ये समझना चाहिए कि इस जगत में असंभव नाम की कोई चीज नहीं है इन सब के लिए भी आत्म बल ही काफी है जिसे हमें उजागर करना होगा उक्त आश्य केउद्गार जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन ने सुभाष गंज मन्दिर में भगवान महावीर कल्याण महोत्सव के समापन समारोह में भक्तांबर महाआरती कर व्यक्त किए।

भगवान की वाणी से जगत के जीव लाभान्वित होते हैं

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी की कल्याण कारी वाणी से जगत का प्रत्येक जीव लाभान्वित हुआ जिसका पुण्य तीव्र था उसे समवशरण में बैठकर दिव्य ध्वनि सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और उनकी वाणी को गणधर परमेष्ठि द्वारा पारम्परिक रूप से आज भी हमें सुनने मिल रही शाम को जो हम आदि विद्या सुधा भक्तांमर मंडल से भगवान की भक्ति सुनते हैं ये भी प्रभु भक्ति का एक रूप है इस दौरान जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र आगर ने कहा कि रात्रि में युवाओं द्वारा श्री भक्तांमर जी के पाठ के साथ ही रिद्धि सिद्धि को देने वाला श्री भक्तांमर रिद्धि मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्जवलित किये जाएंगे।

अड़तालीस दीपों से हुई महा आरती

शाम को गंज मन्दिर भक्तांबर मंडल द्वारा भगवान आदिनाथ स्वामी की भक्ति रूप श्री भक्तांमर रिद्धि सिद्धि मंत्रोच्चार के साथ अड़तालीस दीपों का प्रज्जवलन श्री भक्तांमर जी के एक एक कड़े के साथ भक्ति भाव पूर्वक किया गया जिसमें सभी भक्तों ने अपने थालों में दीपों का प्रज्जवलन कर भक्ति भाव से भगवान की महा आरती जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन, जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, मंत्री विजय धुर्रा, संयोजक उमेश सिघई, मनीष भइया, अभिषेक भइया सहित अन्य प्रमुख जनो ने भाग लिया। इस दौरान अपने मधुर ध्वनि से संचित बजाज सत्यम धुर्रा राजा बजाज आषुतोष बाझल विवेक जैन वक्की विभू जैन नमित जैन देरखा विशाल जैन डॉ पंकज अमरोद शरद बजाज ने सभी को आनंदित किया इस दौरान सभी भक्तों ने भगवान की महा आरती की।

जैन संत पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महामुनिराज की झुमरीतिलैया में हुई भव्य आगवानी

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

परम तपस्वी जैन संत मुनि श्री 108 सुयस सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश आज प्रातः झुमरीतिलैया धर्म नगरी में हुआ भक्तजनों उनके आगमन पर खुशी और हर्ष से पुलकित हो गए। जैन समाज के सेकड़ो महिलाएं पुरुष बच्चे केसरिया श्वेत और पारंपरिक परिधान में गुरुदेव की अगवानी के लिए पहुंचे ।सुभाष चौक के पास भक्तजनों ने गुरुदेव की अगवानी की ।भव्य शोभायात्रा मैं गुरुदेव के साथ, बैंड बाजा ,महिलाओं की कलश यात्रा, भक्तजन जैन धर्म का ध्वज और जैन धर्म के जयकारों के साथ पूरे शहर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बन गया छोटे-छोटे बच्चे ओर

महिलाएं हाथ में जैन धर्म का झंडा लेकर अपनी भक्ति को प्रदर्शित कर रहे थे गुरुदेव नगर भ्रमण कर बड़ा मंदिर स्टेशन रोड पहुचे जहां पर सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों ने गुरुदेव के चरणों को धोया और अपने माथे पर लगाया शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक अध्यात्म योगी श्री 108 सूयश सागर जी की अगवानी में सम्पूर्ण स्थानीय जैन समाज के श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पाद प्रक्षालन किया और हजारीबाग से सैकड़ों भक्तजन कोडरमा नगरी पहुंचे भक्तजनों ने भगवान के चरणों में दीप प्रज्वलित किया गुरुदेव को शास्त्र भेंट किया मुनि श्री ने मुलनायक 1008 श्री पारस नाथ भगवान के दर्शन कर धर्मसभा को संबोधित किया अपने अमृतमय प्रवचन मे गुरुदेव ने कहा कि झुमरी तिलैया के लोग बड़े ही धर्मात्मा और गुरु के प्रति समर्पित भाव रखते हैं सचमुच यहां के लोगों का पुण्य के साथ-साथ भाग्य भी अच्छा है तभी हमेशा यहां पर संत महात्मा का सानिध्य और आशीर्वाद यहां के लोगों को हमेशा मिलते रहता है और धर्म प्रभावना के लिए समाज से जुड़ते है। आज का आहार कराने का सौभाग्य नरेन्द्र-विणा झांझरी के परिवार को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उप मंत्री जैन नरेंद झांझरी, सह मंत्री जैन राज छाबड़ा,कोषाध्यक्ष जैन सुरेन्द काला महिला संगठन की अध्यक्षा नीलम जैन सेठी,मंत्राणी आशा जैन गंगवाल आदि लोगों ने अपना योगदान दिया। संध्या में भव्य आरती के साथ णमोकार चालीसा का पाठ गुरु मुख से होगा। यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी जैन राजकुमार अजमेरा,नवीन जैन ने दी।

मीरामार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पांच दिवसीय श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव 13 नवम्बर से

पोस्टर का हुआ विमोचन, तैयारियां जोरों पर

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 13 नवम्बर से 17 नवम्बर तक पांच दिवसीय श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का विशाल आयोजन होगा। आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन एक सादा समारोह में मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, डी सी जैन, शीतल चन्द जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि महामहोत्सव के अन्तर्गत बुधवार 13 नवम्बर को घटयात्रा एवं ध्वजारोहण से पंच कल्याणक महोत्सव का आगाज। होगा तथा इसी दिन गर्भ कल्याणक की क्रियाएं होगी। गुरुवार 14 नवम्बर को जन्म कल्याणक, शुक्रवार 15 नवम्बर को तप कल्याणक, शनिवार 16 नवम्बर को ज्ञान कल्याणक मनाया जाएगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि महामहोत्सव में रविवार को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं होगी। इस मौके पर विश्व शांति महायज्ञ के बाद विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। नवीन वेदियों में श्री जी को विराजमान किया जाएगा। तत्पश्चात सम्मान एवं आभार समारोह किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 1.00 बजे से मुनि प्रणम्य सागर महाराज की पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। महामहोत्सव की तैयारियां बडे जोर शोर से चल रही है। आयोजन में जयपुर सहित पूरे देश से लाखों जैन बन्धु शामिल होंगे।

जयपुर अहिंसा फेस्टिवल में लिया विश्व शांति का संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जनमंच ट्रस्ट ने श्री रामकृष्ण गौ सेवा समिति, राजस्थान पक्षी चिकित्सालय, कनोडिया महाविद्यालय, हार्टफुलनेस मेडिटेशन आदि संस्थाओं के साथ मिलकर आठवां जयपुर अहिंसा फेस्टिवल कनोडिया कॉलेज परिसर में आयोजित किया। इस मौके पर उपस्थित प्रबुद्धजनों ने विश्व में शांति स्थापित करने का संकल्प लिया, साथ ही अहिंसा के लिए कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जयपुर अहिंसा फेस्टिवल के संस्थापक कमल लोचन ने बताया कि फेस्टिवल में जस्टिस पानाचंद जैन, प्रमोद चैरडिया, एडवोकेट देवेंद्र मोहन माथुर, अभय नाहर, आरके अग्रवाल, निर्मल शर्मा, भगवान गट्टानी, श्याम विजय, डॉ. मोनिका, डॉ.रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. सीमा अग्रवाल आदि ने अहिंसा के विभिन्न पहलुओं पर पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज अहिंसा के सिद्धांतों से ही हम सभी विष्व में शांति स्थापित कर सकते हैं। लोचन ने बताया कि प्राणी कल्याण, शाकाहार, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, सहचार्य, सामान समानता, स्वास्थ्य, योग, पौष्टिक आहार, मेडिटेशन सभी अहिंसा के ही अलग-अलग रूप है द्य विश्व शांति के लिए अहिंसा के इन्हीं पहलुओं पर संस्था द्वारा विकास 10 वर्षों से कार्य किया जा रहा है। 2022 में सर्वधर्म और अहिंसा तथा 2023 में योग और अहिंसा विषय पर फेस्टिवल आयोजित किए गए थे ।वर्ष 2025 जयपुर अहिंसा फेस्टिवल के लिए संस्था द्वारा इन क्षेत्रों में कार्य कर रहे समर्पित लोगों की एक टीम का गठन किया गया है। आगामी वर्ष 2025 में यह फेस्टिवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होगा। फेस्टिवल में भारत के बाहर देश के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे फेस्टिवल के संयोजक कमल लोचन के अनुसार यह विश्व शांति और अहिंसा को समर्पित एक तीन दिवसीय सम्मेलन होगा। अधिक से अधिक लोगों को प्राणी कल्याण पर्यावरण शाकाहार और अहिंसा से जोड़ने के लिए प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ सभा, सेमिनार आदि आयोजित की जाएगी।

सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक, वार्षिक कलशाभिषेक एवं पिच्छीका परिवर्तन महोत्सव का आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में भीलवाड़ा में पहली बार सुपार्श्वनाथ हाउसिंग बोर्ड के मंदिर में स्थित एक मात्र मानस्तंभ में विराजित सुपार्श्वनाथ

की दिव्य प्रतिमाओं पर महामस्तकाभिषेक महोत्सव का तीन दिवसीय मंगल अभिषेक का कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। यह कार्यक्रम 6 नवम्बर बुधवार से 8 नवम्बर शुक्रवार तक चलेगा। अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि चार स्वर्ण कलशों से महामस्तकाभिषेक एवं श्रावकों के लिये रजत कलशों से मस्तकाभिषेक करेगें। मस्तकाभिषेक का कार्यक्रम 3 दिन के लिये 6 नवम्बर से 8 नवम्बर तक प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। 8 नवम्बर शुक्रवार को प्रातः प्रवचन के समय वर्षायोग 2024 के बड़े मंगल कलशों का वितरण पाण्डाल में होगा। अन्य कलश 8 नवम्बर को प्रातः 10.15 बजे से दोपहर 1 बजे तक वितरण किये जायेगें। मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि 9 नवम्बर शनिवार को सुपार्श्वनाथ मंदिर का वार्षिक कलशाभिषेक एवं आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज के 48वां अवतरण दिवस पर कार्यक्रम दोपहर 1.15 बजे से चलेगें एवं 10 नवम्बर रविवार को आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज ससंघ का पिच्छीका परिवर्तन के कार्यक्रम दोपहर 1.15 बजे से होंगे। **-भाग चन्द पाटनी मीडिया प्रभारी**

उत्कृष्ट सेवा के लिये जवान को किया सम्मानित

सुरक्षा बल में जवानों का मनोबल बढ़ाने की सराहनीय पहल

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। कोटा थर्मल में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिये इकाई प्रभारी उप कमांडेंट राकेश निखज द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। बल सदस्यों में उत्कृष्ट कार्य जैसे अपने कर्तव्यों की पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से पूर्ण पालना करते हुए अपने बल का नाम रोशन करने वाले सदस्य को सम्मानित कर सदस्यों को प्रोत्साहित करने की सराहनीय पहल की गई । जिससे बल सदस्यों का मनोबल बढ़ेगा। अक्टूबर 2024 के लिये बेस्ट परफॉर्मर हेतु चयन करते हुए प्रधान आरक्षक जीडी पंकज कुमार राम को इकाई प्रभारी राकेश निखज के द्वारा प्रशस्ति पत्र, नकद पुरस्कार एवं एवं सम्मान पदक से सम्मानित किया गया।

ग्राम दुधवा में ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय श्री मज्जिनेन्द्र भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया। शेखावाटी ग्रामीण अंचल की प्राकृतिक सौम्यता से मन को आकर्षित करती सीकर जिले के दूधवा ग्राम में मंगलवार से ''श्रीमद् जिनेन्द्र महार्चना भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव'' का त्रि-दिवसीय आयोजन का शुभारंभ हुआ। मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि आयोजन में सर्वप्रथम ध्वजारोहण हुआ, ध्वजारोहण का सौभाग्य धर्मचंद, अजीत कुमार, सुनील कुमार, संजय कुमार, सुशील कुमार, संतोष कुमार छाबड़ा परिवार प्रवासी इम्फाल, गुवाहाटी, जयपुर को प्राप्त हुआ। आयोजन समिति अध्यक्ष अनिल छाबड़ा जयपुर व महामंत्री पंकज छाबड़ा सीकर ने बताया कि तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में विधि विधान के समस्त मांगलिक कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य डॉ. पंडित सनत कुमार जैन जयपुर एवं सह प्रतिष्ठाचार्य पंडित आशीष कुमार जैन शास्त्री सीकर के कुशल निर्देशन में सम्पन्न होंगे। पांडाल उद्घाटन शान्ति कुमार, अनिल कुमार, प्रकाशचंद छाबड़ा परिवार प्रवासी इम्फाल, जयपुर, गुवाहाटी द्वारा किया गया। दीप प्रज्ज्वलन तनसुख लाल, अशोक कुमार, राजकुमार, सुनील कुमार, रवि कुमार छाबड़ा परिवार प्रवासी विजय नगर आसाम द्वारा किया गया। आयोजन समिति के उपाध्यक्ष नेमीचंद ठोलिया दुधवा व कोषाध्यक्ष संजय छाबड़ा सीकर ने बताया कि आयोजन में प्रातः नित्य अभिषेक एवं शांतिधारा हुई, तत्पश्चात प्रवचन, देवाज्ञा सकलीकरण, इन्द्रप्रतिष्ठा, जाप्यानुष्ठान आदि कार्यक्रम हुए। आचार्य निमंत्रण कार्यक्रम, झंडारोहण पश्चात दोपहर पंचपरमेष्ठी विधान आयोजित किया गया। सायंकाल महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। आयोजन में दुधवा ग्राम से जुड़े देश के विभिन्न क्षेत्रों में बसे जैन धर्मावलंबी सपरिवार शामिल हुए हैं।

अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में चल रहा पार्श्व कथा का संगीतमय वाचन

बुधवार को आदिनाथ भवन पर होगा पारस पुराण का वाचन। ज्ञान का कभी अंत नहीं होता: मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने मानसरोवर स्थित मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर पारस पुराण के चल रहे वाचन में आनंद मुनिराज द्वारा सोलह कारण भावनाओं के प्रसंग में मंगलवार को बहुश्रुत भक्ति भावना पर अपनी देशना देते हुए कहा कि बहूश्रुत का मतलब अधिक ज्ञान जानने वाला होता है। जो तत्व के ज्ञान को अपने अंदर आत्मसात कर ले। ऐसे श्रुत गुरु को उपाध्याय या पाठक भी कहते हैं ।मुनि श्री ने कहा कि रत्नत्रय की डिग्री जिन्हें मिल गई उनको बाकी की सब डिग्री का कोई महत्व नहीं होता है। रत्नत्रय रत्न के आगे सभी रत्न फीके हैं। जो 14 पूर्व 12 अंगों में प्रवीण होते हैं वहीं उपाध्याय या पाठक कहलाते हैं। मुनि श्री ने यह भी कहा कि ज्ञान का कभी अंत नहीं होता ज्ञान को जितना सुनेंगे उतना ही वह हमारे अंदर उतरेगा। ज्ञान अपनी अमर संपदा है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। इससे पूर्व विनोद कुमार, विकास, अर्पित जैन आगरा परिवार ने धर्म सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेट एवं पाद पक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया। आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, एडवोकेट राजेश काला, अरुण श्रीमाल, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, विजय झांझरी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के मुताबिक बुधवार, 6 नवम्बर को प्रातः 8.15 बजे मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे जिसमें पारस पुराण का वाचन होगा। -विनोद जैन कोटखावदा

श्री समवशरण महामण्डल विधान एवं मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक आयोजन के तीसरे दिन हुए विभिन्न मांगलिक आयोजन

सीकर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के शेखावाटी अंचल स्थित सीकर जिले के दूजोद ग्राम में स्थित श्री महावीर स्वामी दिगम्बर जैन मन्दिर में चल रहे श्री समवशरण महामण्डल विधान एवं मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक के तीसरे दिन विधान पूजन सहित विभिन्न धार्मिक व मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातः जाप,अभिषेक, पूजन, शांतिधारा पश्चात समवशरण विधान के तीसरे दिन की पूजा प्रारंभ हुई। इससे पूर्व मानस्तम्भ के महामस्तकाभिषेक हुए। प्रातः स्वर्ण कलश अभिषेक व शांतिधारा का सौभाग्य माणकचंद, दीपक कुमार, श्रेणिक कुमार छाबड़ा परिवार मुंबई को प्राप्त हुआ। आयोजन समिति के माणकचन्द बाकलीवाल व संजय रारा ने बताया कि सांयकाल महाआरती का सौभाग्य ज्ञानचंद, सुभाष कुमार, जितेंद्र कुमार राजकुमार कुमार बाकलीवाल प्रवासी इंफाल सूरत को प्राप्त हुआ। विवेक पाटोदी ने बताया कि आयोजन में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य माणकचन्द कांता देवी बाकलीवाल सूरत, भरत चक्रवर्ती बनने का सौभाग्य राजकुमार संतोष देवी बाकलीवाल सिलचर व कुबेर इंद्र बनने का सौभाग्य विनोद सरला सेठी इंफाल को प्राप्त हुआ।

भीलवाड़ा की पावनधरा पर पहली बार पधारेंगे बागेश्वरधाम सरकार

स्वागत के लिए आतुर भीलवाड़ा वासी। दादीधाम मंदिर से कथास्थल तक भव्य कलश शोभायात्रा से माहौल हुआ भक्तिमय

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। विख्यात आध्यात्मिक गुरू व कथावाचक बागेश्वरधाम सरकार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज धर्मनगरी भीलवाड़ा की पावनधरा पर पहली बार बुधवार सुबह पहुंचेगे। उनके मुखारबिंद से छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम के महन्त श्री बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में श्री टेकरी के हनुमानजी कथा समिति के तत्वावधान में बुधवार से 10 नवम्बर तक तेरापंथनगर के पास कुमुद विहार विस्तार में आरसीएम ग्राउंड कथास्थल पर श्री हनुमन्त कथा का भव्य आयोजन हो रहा है। इसके लिए आयोजन समिति द्वारा अध्यक्ष विधायक गोपाल खण्डेलवाल, संरक्षक प्रकाश छाबड़ा एवं संयोजक आशीष पोरवाल के नेतृत्व में बुधवार शाम तक सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई है। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक होगी। आयोजन के तहत 8 नवम्बर को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक बागेश्वरधाम सरकार का दिव्य दरबार लगेगा। भीलवाड़ा में पहली बार हो रहे इस विशाल धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे जिले में ही नहीं आसपास के क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल बन चुका है ओर हर कोई भक्त बागेश्वरधाम सरकार के दर्शन पाने के लिए आतुर नजर आ रहा है। आयोजन की पूर्व संध्या पर मंगलवार शाम हनुमानजी महाराज के जयकारों की गूंज के बीच दादीधाम मंदिर से कथास्थल तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। काठिया बाबा आश्रम के महन्त श्री बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में निकाली गई इस शोभायात्रा में आयोजन की महिला प्रमुख मंजू पोखरना के नेतृत्व में 2100 मंगल कलश सिर पर धारण किए मातृशक्ति उत्साह से शामिल हुई। शोभायात्रा में सबसे आगे दुर्गाशक्ति के रूप में घोड़े पर महिलाएं सवार थी। बग्गियों में हरिशेवाधाम के महामंडलेश्वर हंसरामजी महाराज, लालबाबा श्यामदास, हाथीभाटा आश्रम के महन्त संतदास महाराज, गोपालद्वारा सांगानेर के महन्त गोपालदास महाराज आदि संत महात्मा सवार थे। शोभायात्रा को भव्यता व गरिमा प्रदान करने के लिए चुनरी पहने हुए हजारों महिलाएं सिर पर कलश धारण करके चल रही थी। शोभायात्रा के तेजसिंह सर्किल होते हुए कथास्थल पहुंचने पर आयोजन समिति के अध्यक्ष विधायक गोपाल खण्डेलवाल, संरक्षक प्रकाश छाबड़ा, संयोजक आशीष पोरवाल के नेतृत्व में स्वागत किया गया। कलश शोभायात्रा को सफल बनाने में अर्चना सोनी, ममता शर्मा, दीपिका पाटनी, रेखा शर्मा, संतोष जागेटिया, बबिता अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, कविता लाटा, सुमन अजमेरा, नीलम शेखावत, भारती बाहेती, निशा सोनी, लीला राठी, आशा चौधरी के साथ गोपीदादा ओमप्रकाश बच्छ, लोकेश व्यास, मुकेश शर्मा, तरूण जैन आदि का सहयोग रहा।

कथास्थल पर लाखों श्रद्धालुओं के लिए तैयारियां पूरी

श्री हनुमन्त कथा श्रवण कराने के लिए बागेश्वरधाम सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बुधवार सुबह हमीरगढ़ हवाईपट्टी पर उतरेंगे। उनका आयोजन समिति द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। आयोजन समिति के संयोजक आशीष पोरवाल ने बताया कि समिति के सभी सदस्यों एवं विशेषकर छोटी हरणी के निवासियों के सहयोग से व्यापक तैयारियां की गई है। कथा स्थल पर एक लाख से अधिक श्रद्धालुजन बैठ सके इसकी व्यवस्था की गई है। करीब पौने दो लाख वर्ग फीट का विशाल डोम लगाया गया है। इसके साथ पांडाल में 40 से अधिक विशाल एलईडी भी लगाई गई है। कथा समिति द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया,राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चित्तौड़गढ़ सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी आदि को आमंत्रित किया गया है।

पंडित टोडरमल स्मारक भवन में लगाई झांकी

''इन भावों का फल क्या होगा'' पुस्तक पर आधारित झांकी पुरस्कृत

जयपुर. शाबाश इंडिया। दस लक्षण पर्व पर सुगंध दशमी के दिन जयपुर के विभिन्न दिगम्बर जैन मन्दिरों में लगाई गई झांकियों में राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा चयनित श्रेष्ठ झांकियों में पंडित टोडरमल स्मारक भवन में लगाई झांकी श्रद्धेय रतन चन्द्र जी भारिल्ल की लोकप्रिय रचना ''इन भावों का फल क्या होगा'' पुस्तक पर आधारित झांकी इन भावों का फल क्या होगा को द्वितीय स्थान के लिए चयनित किया गया था। यह पुरस्कार जयपुर की भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा आयोजित सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह में पंडित टोडरमल स्मारक भवन के मुख्य समन्वयक हीरा चन्द बैद एवं स्मारक के वरिष्ठ शास्त्री विद्वान श्रीमंत जी नेज को प्रदान किया राजस्थान जैन युवा महासभा के संस्थापक अध्यक्ष ज्ञान चन्द झांझरी ने।

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 118 रोगी हुए लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

गुलाबपुरा। श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के प्रथम मंगलवार को आयोजित कैंप दिनाक 05.11.24. मंगलवार को संस्था परिसर में लगाया गया । संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया की कैंप में वरिष्ठ डॉक्टर आर के चंडक ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 118 मरीजों को सेवा प्रदान की एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया। आज के कैम्प के लाभार्थी सुगनचंद गुलाब देवी भटेवडा की पुण्यतिथि के उपलक्ष में लादू लाल, अभिषेक अभिजीत वंश, वीरम भटेवड़ा विजयनगर रहे। शिविर में अनिल चौधरी ने मरीजों को मृगी रोग से बचाव व योगा के बारे में विस्तार से समझाते हुए इसके नियमित रूप से करने पर जोर दिया। संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने संस्था की गतिविधि की जानकारी दी, अध्यक्ष घेवर चंद श्रीश्रीमाल ने लाभार्थी परिवार का स्वागत एवम कार्याध्यक्ष राजेंद्र चोरड़िया ने आभार व्यक्त किया। इंद्रा शिखा भटेवडा ने सभी मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभ कामनाएं देते हुए संस्था के कार्यों की सराहना की। शिविर में वीर संघ ब्यावर से प्रकाश मेहता, महेंद्र सांखला, अशोक खींचा, दिलीप भंडारी, बड़ौदा से सुरेंद्र धूपिया, योगेश चोपड़ा, विकास नाहर, पीयूष चोपड़ा, मदनलाल लोढ़ा, मदन लाल रांका, सुरेश लोढ़ा, सम्पत कांठेड़, प्रेम पाड़लेचा, दिनेश जोशी, के डी मिश्रा, सुरेश लोढ़ा सहित गणमान्य व्यक्तियो ने सेवाएं प्रदान की। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया।